गप्पी बीवी

अमांडा हॉल

हिंदी: छाया भदौरिया

गप्पी बीवी

अमांडा हॉल

हिंदी: छाया भदौरिया

बहुत समय पहले रूस में इवान नाम का एक बूढ़ा व्यक्ति रहता था। गरीब होते हुए भी वह खुश था और उसकी एकमात्र समस्या यह थी कि उसकी पत्नी कैटरीना बहुत ही गप्पी थी। वह सुबह से लेकर रात तक सिर्फ़ गपशप ही करती रहती थी और किसी बात को गुप्त रखने में उसे बहुत ही परेशानी होती थी।
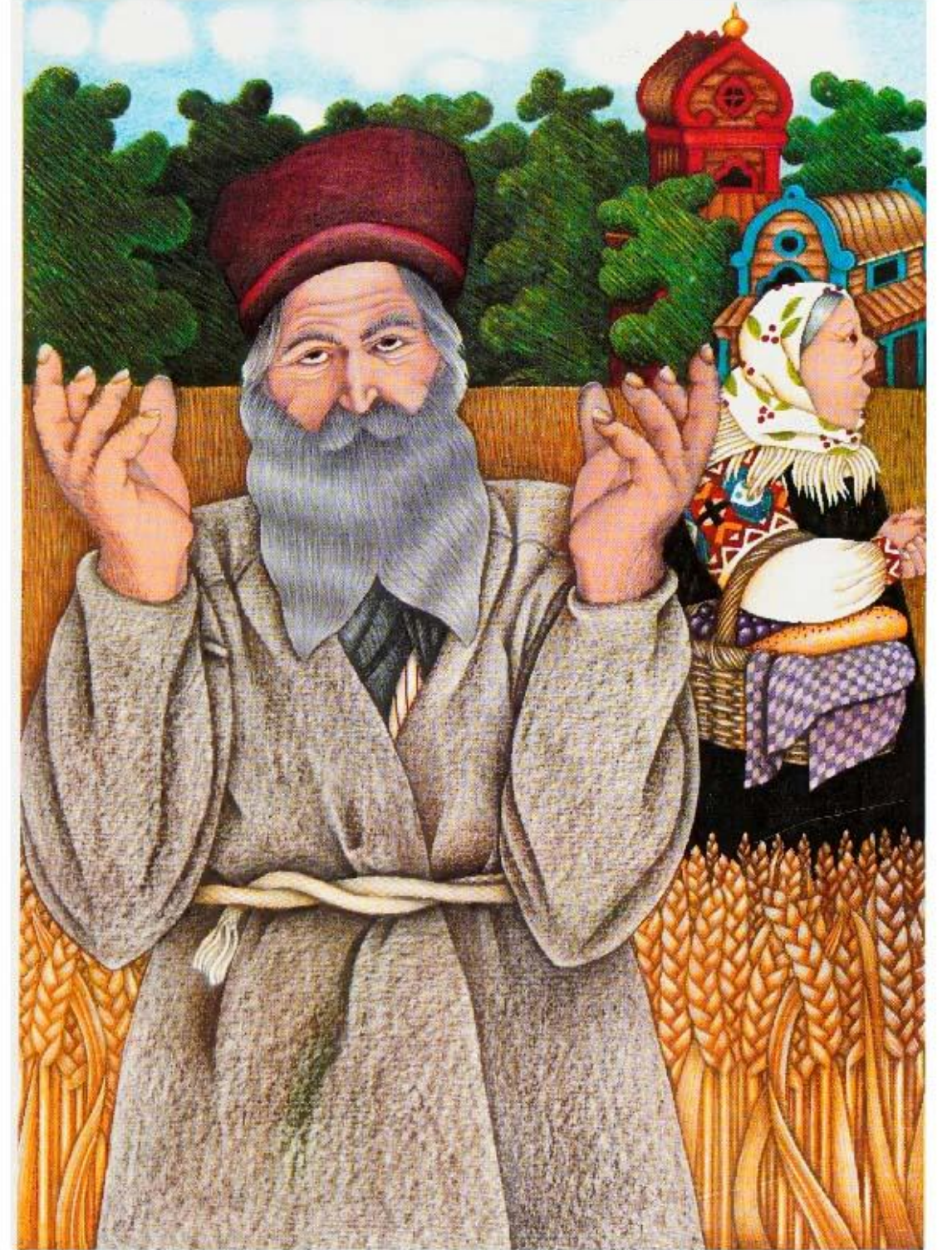
एक दिन दोपहर में इवान जंगल में गया। उसे एक भेड़िये को पकड़ने के लिए गड्ढा खोदना था। उसने काफी गहरा गड्ढा खोद लिया था और वह खुदाई बंद करने ही वाला था कि अचानक उसका कुदाल किसी ज़ोरदार चीज़ से टकराया। इवान और भी गहराई तक खोदता गया और आख़िरकार उसे एक बड़ा चमकीले रंग का संदूक मिला।

उसने सावधानी से ढक्कन खोला। अंदर चमचमाते सोने के सिक्कों के ढेर लगे थे। इवान को अपनी किस्मत पर विश्वास ही नहीं हो रहा था। इतने सारे सोने से वह और कैटरीना अपनी ज़िंदगी के बाकी दिन आराम से गुज़ार सकेंगे।

लेकिन तभी उसके मन में एक चिंताजनक विचार आया। जैसे ही वह कैटरीना को सोने के बारे में बताएगा, वह इस खबर को गाँव भर में आग की तरह फैला देगी। जंगल का मालिक क्रूर और लालची जमींदार इस खबर को सुनकर तुरंत ही आ जाएगा और सारे सोने पर अपना अधिकार दिखाएगा। अब इवान इस रहस्य को कैसे छिपा सकता था?
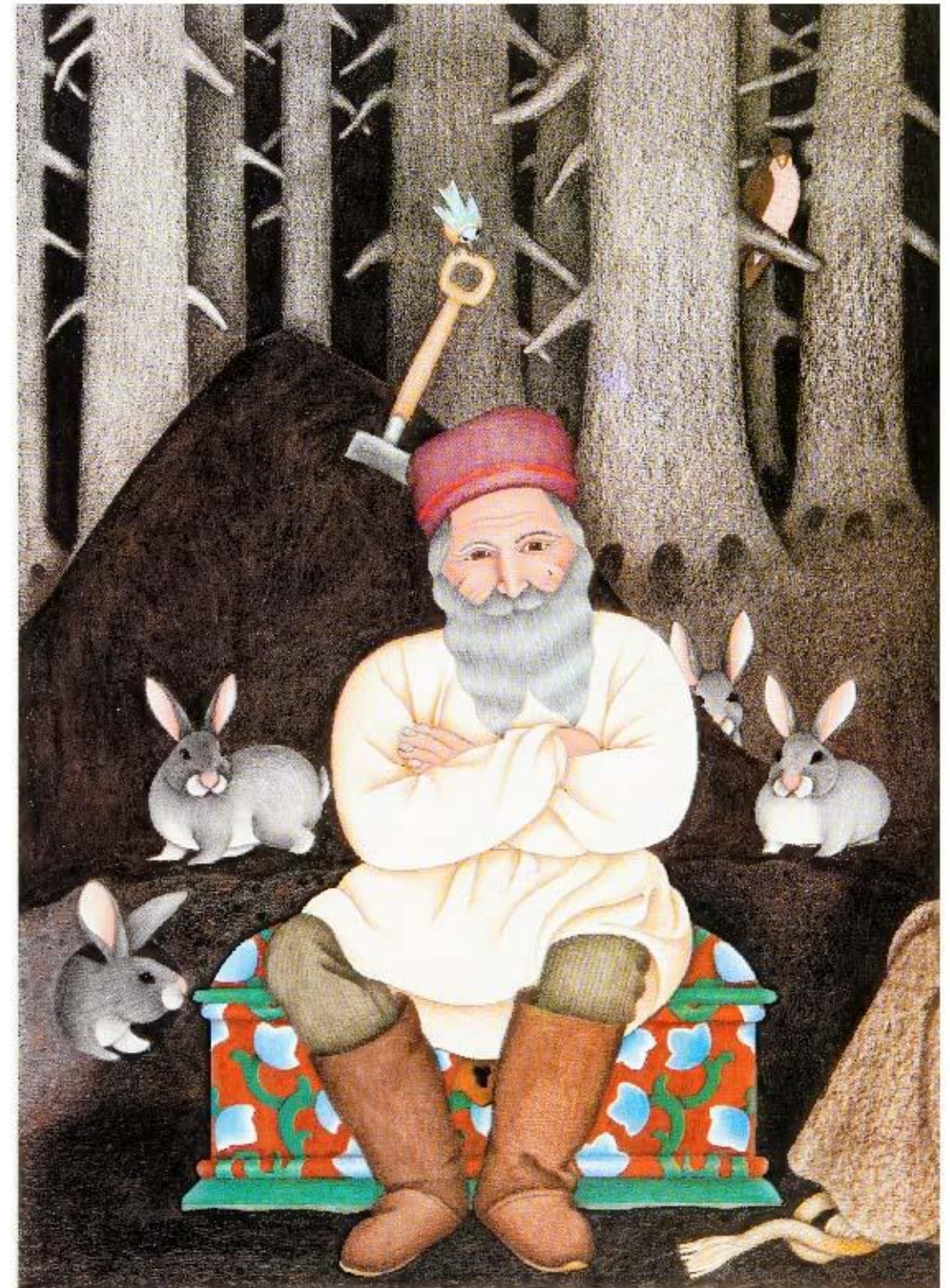
इवान ने बहुत सोच-विचार किया। तब अचानक उसे एक तरकीब सूझी। जैसे ही उसने अपनी योजना पर काम करने का विचार किया, उसने संदूक को फिर से उसी गड्ढे में छिपा दिया और उस स्थान को एक बड़े पत्थर से चिह्नित कर दिया।

फिर वह उन जालों की जाँच करने गया जो उसने पहले से जंगल की जमीन पर और नदी में बिछाए थे। सौभाग्य से दोनों जाल में शिकार आ चुके थे। एक में उसने एक खरगोश पकड़ा था और दूसरे में एक मछली। उसने खरगोश को जाल से निकाला और नदी के जाल में डाल दिया। फिर उसने मछली को खरगोश के जाल में डाल दिया।

जब इवान घर पहुँचा तब तक अँधेरा हो चुका था। उसने अपनी पत्नी से कहा, 'सुनो भाग्यवान, आज तो हमारी किस्मत खुल गई। आज मुझे जंगल में सोने से भरा हुआ एक संदूक ज़मीन में दबा हुआ मिला है। हम दोनों को वापस जाकर उसे एक साथ लाना होगा क्योंकि यह बहुत भारी होगा। आप हमारी ताकत बढ़ाने के लिए हमारे लिए कुछ पैनकेक क्यों नहीं पका देतीं?"

कैटरीना इतनी उत्साहित थी कि कुछ क्षण के लिए तो वह लगभग अवाक-सी रह गई। वह जल्दी से गई और पैनकेक का ढेर बना दिया। अपने उत्साह में उसने यह ध्यान ही नहीं दिया कि कब इवान ने आधे पैनकेक एक थैले में भरकर मेज के नीचे छुपा दिए।
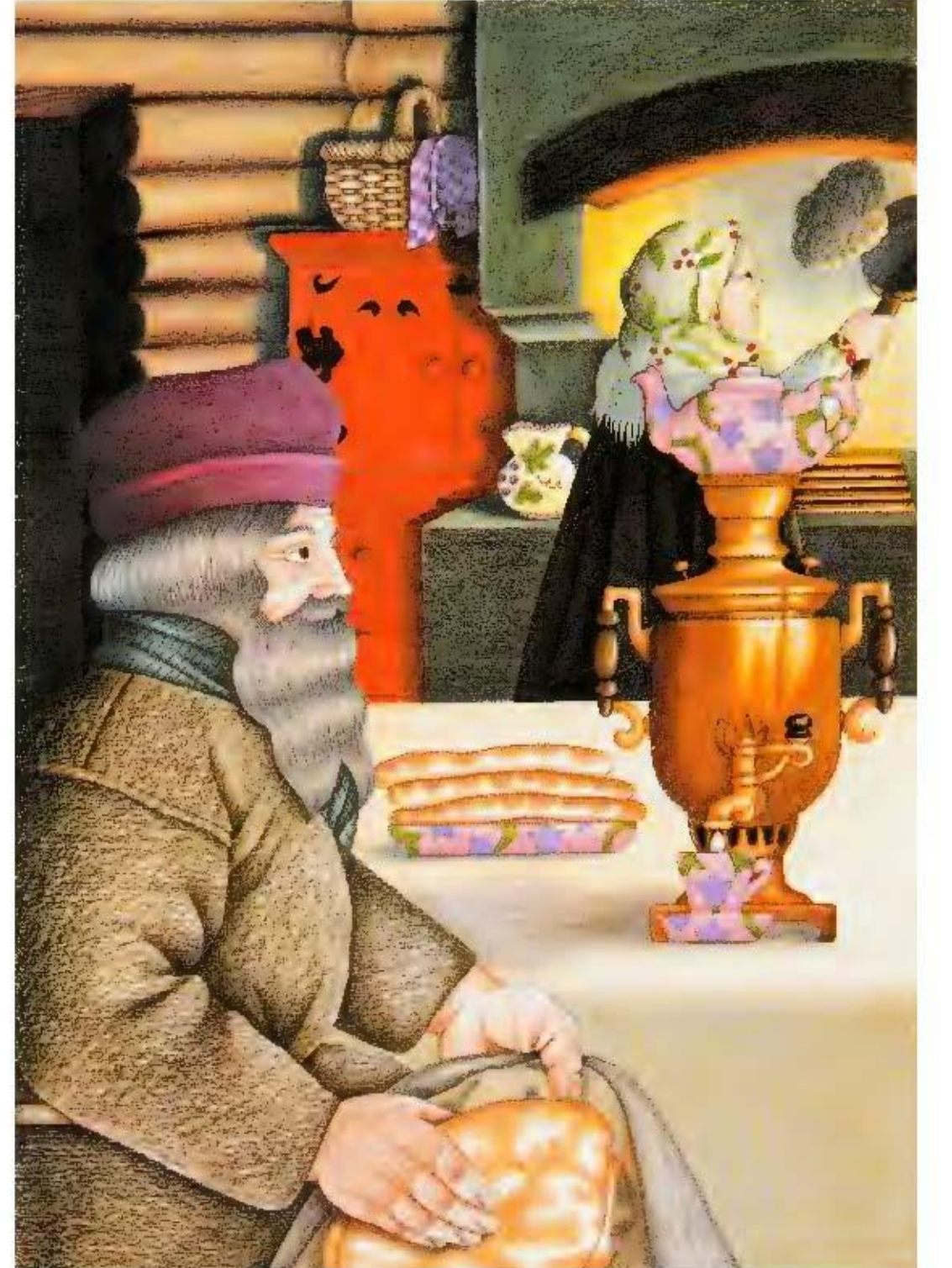
भोजन के बाद वे जंगल के लिए निकल गए। पूरे रास्ते कैटरीना ख़ज़ाने के बारे में बात करने में इतनी व्यस्त थी कि उसने इवान को पेड़ों पर पैनकेक लटकाते हुए भी नहीं देखा।

वे जल्द ही उस स्थान पर पहुँच गए जहाँ ख़ज़ाना दबा हुआ था। इवान ने फटाफट जमीन खोदकर संदूक को बाहर निकाला । सोना देखते ही कैटरीना की आँखें चकरा गईं। उसने सिक्कों के बीच अपनी उँगलियों को घुमाया। लालटेन की चमक में वे कितनी खूबसूरती से चमक रहे थे!

जब उन्होंने सारा सोना बोरी में भर लिया, तो इवान ने कहा,

''जब हम यहाँ तक आए हैं तो चलो जालों को भी देख लेते हैं।''

इसलिए वे नदी के पास गए और इवान ने खरगोश को नदी से बाहर निकाला।

“अच्छा मुझ पर दया करो!” कैटरीना चिल्लाई। “एक खरगोश नदी में क्या कर रहा है?”

“अरे मूर्ख, इवान ने कहा। "क्या आपने कभी जलीय खरगोशों के बारे में नहीं सुना है?"

फिर वह कैटरीना को जाल में फँसी हुई मछली को दिखाने के लिए ले गया। कैटरीना फिर हैरान होकर चिल्ला उठी।

"अरे मूर्ख," इवान ने फिर कहा। ''यह बेशक जमीन पर रहने वाली मछली है!'' निश्चित रूप से आपने उनमें से एक को पहले देखा है।"

जब वे सोने की बोरी लेकर घर की ओर चल पड़े तो इवान ने बड़ी लापरवाही से कहा, “मैं देख रहा हूँ कि फिर से पैनकेक की बारिश हो रही है।" उसने लालटेन उठाई ताकि कैटरीना रास्ते के दोनों ओर पेड़ों पर लटके पैनकेक देख सके।

“अच्छा, मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा!" कैटरीना ने कहा। "हम कितनी अजीब रात गुज़ार रहे हैं!"
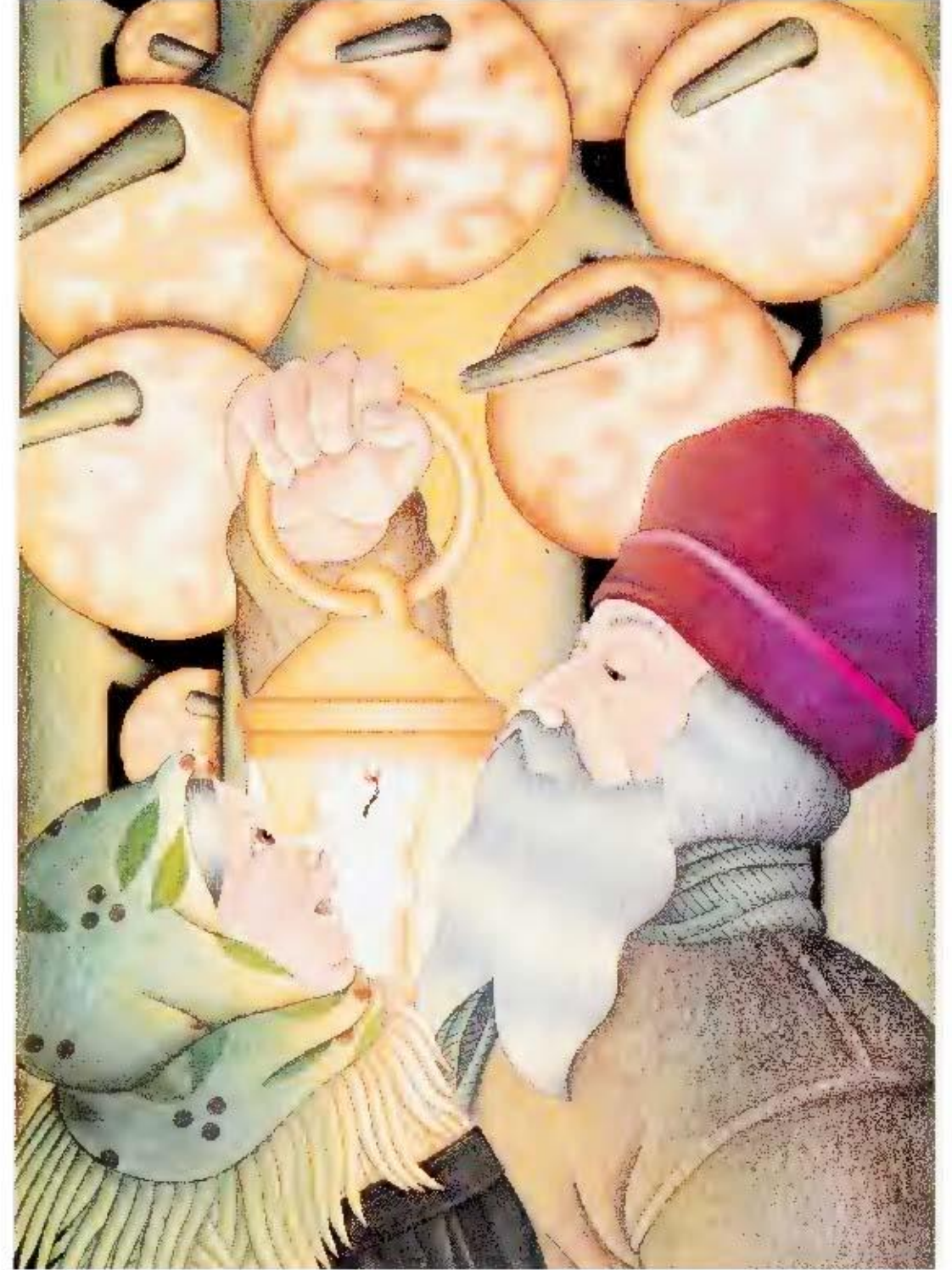
अपने घर जाते समय उन्हें जमींदार के घर से होकर गुजरना था। इवान आगे चलता गया और जैसे ही वह ज़मीदार के गेट के पास पहुँचा उसने भयानक चीखने की आवाज निकाली।

“वह क्या था?" बेचारी कैटरीना घबराकर चिल्लाई।

"अब चलो भाग्यवान, हमें जल्दी घर जाना चाहिए," इवान ने कहा। “वह मकान मालिक था जो कि दर्द से चिल्ला रहा है। शैतान वहाँ उसकी आत्मा के लिए उससे कुश्ती लड़ रहा है!”
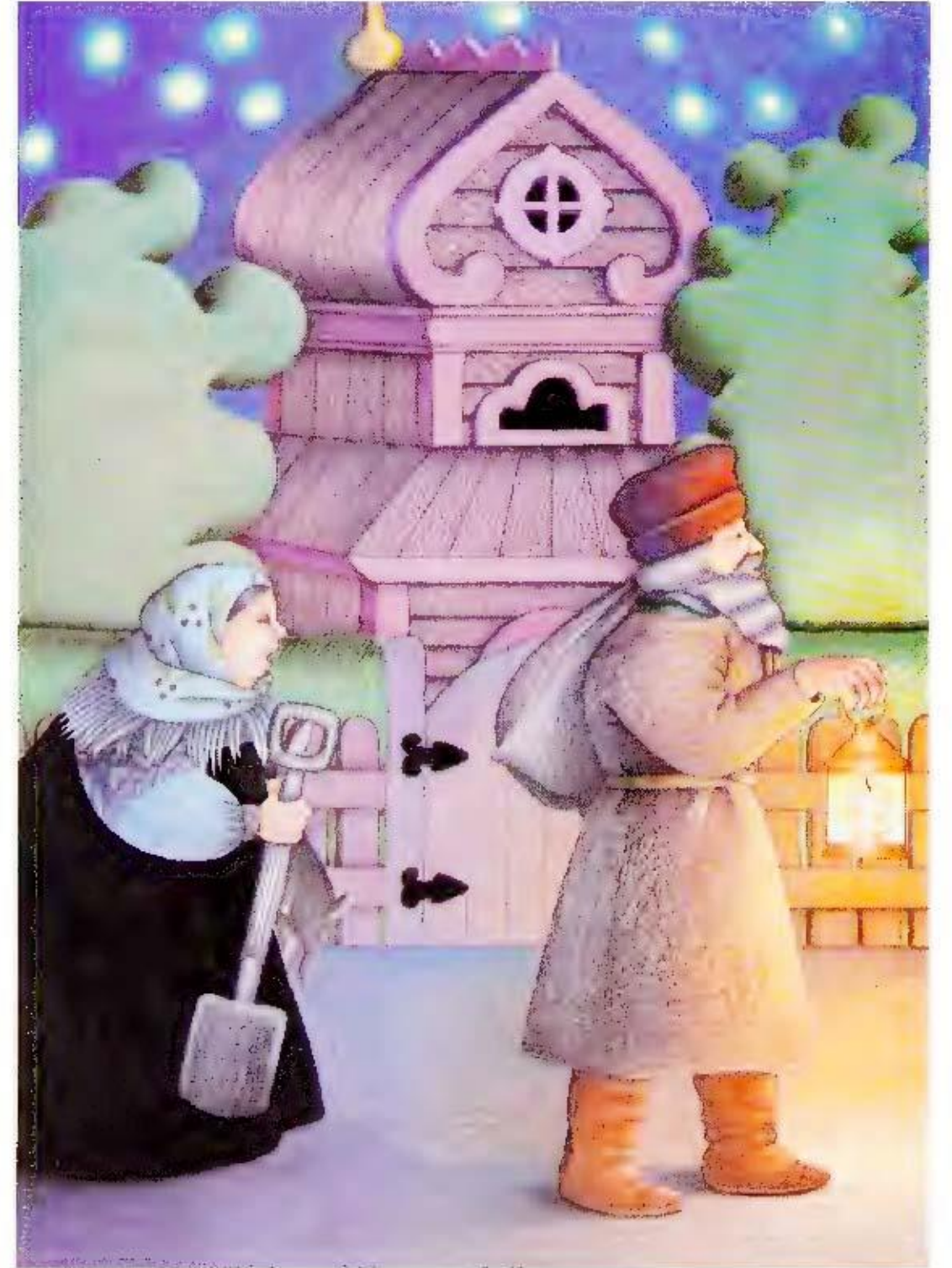
उसी रात सोते समय, मोमबत्ती बुझाने से पहले इवान ने कैटरीना को सख्त चेतावनी दी कि वह उनके ख़ज़ाने के बारे में किसी को न बताए।

"अरे नहीं, मैं एक शब्द भी नहीं कहूँगी," कैटरीना ने वादा किया।
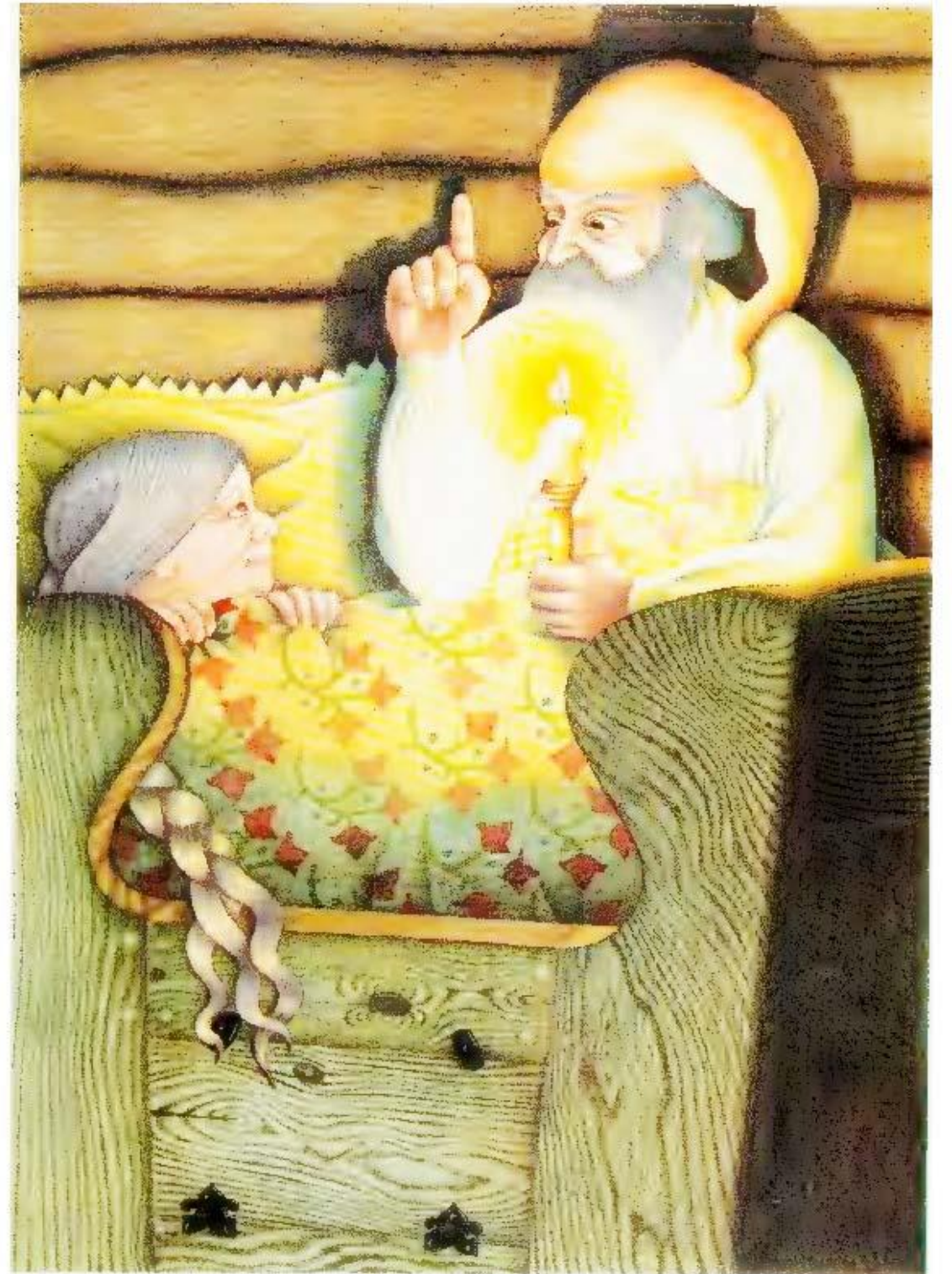
लेकिन अगली सुबह, जब कैटरीना कुएँ पर अन्य महिलाओं से मिली, तो वह खुद को सोने के बारे में गपशप करने से रोक नहीं पाई। वह इतना अद्भुत रहस्य अपने तक कैसे छिपा कर रख सकती थी?
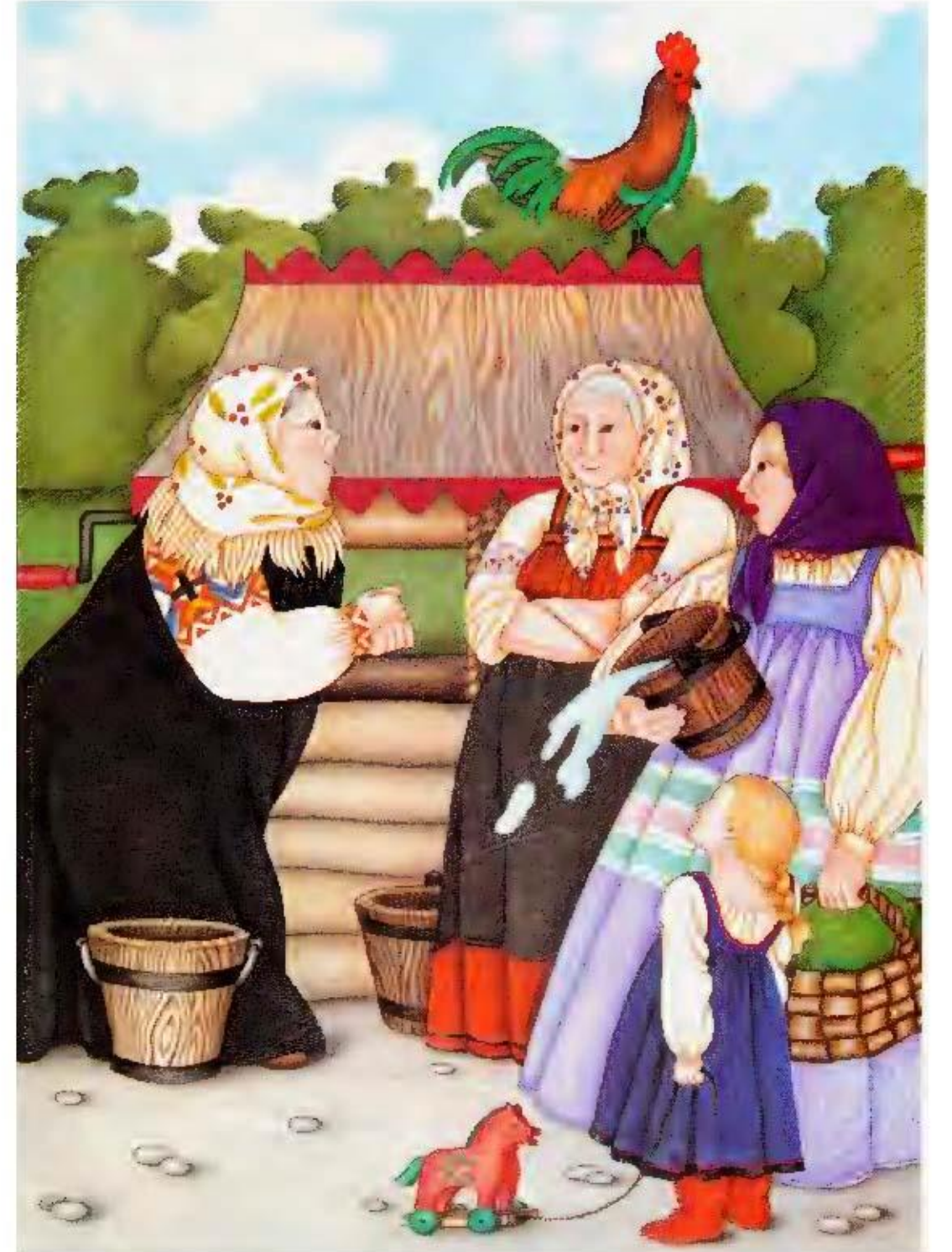
निसंदेह यह खबर जल्द ही दुष्ट जमींदार के कानों तक पहुँच गई, जिसे सुनकर वह आगबबूला हो गया। उसने तुरंत इवान और कैटरीना को बुलाया।
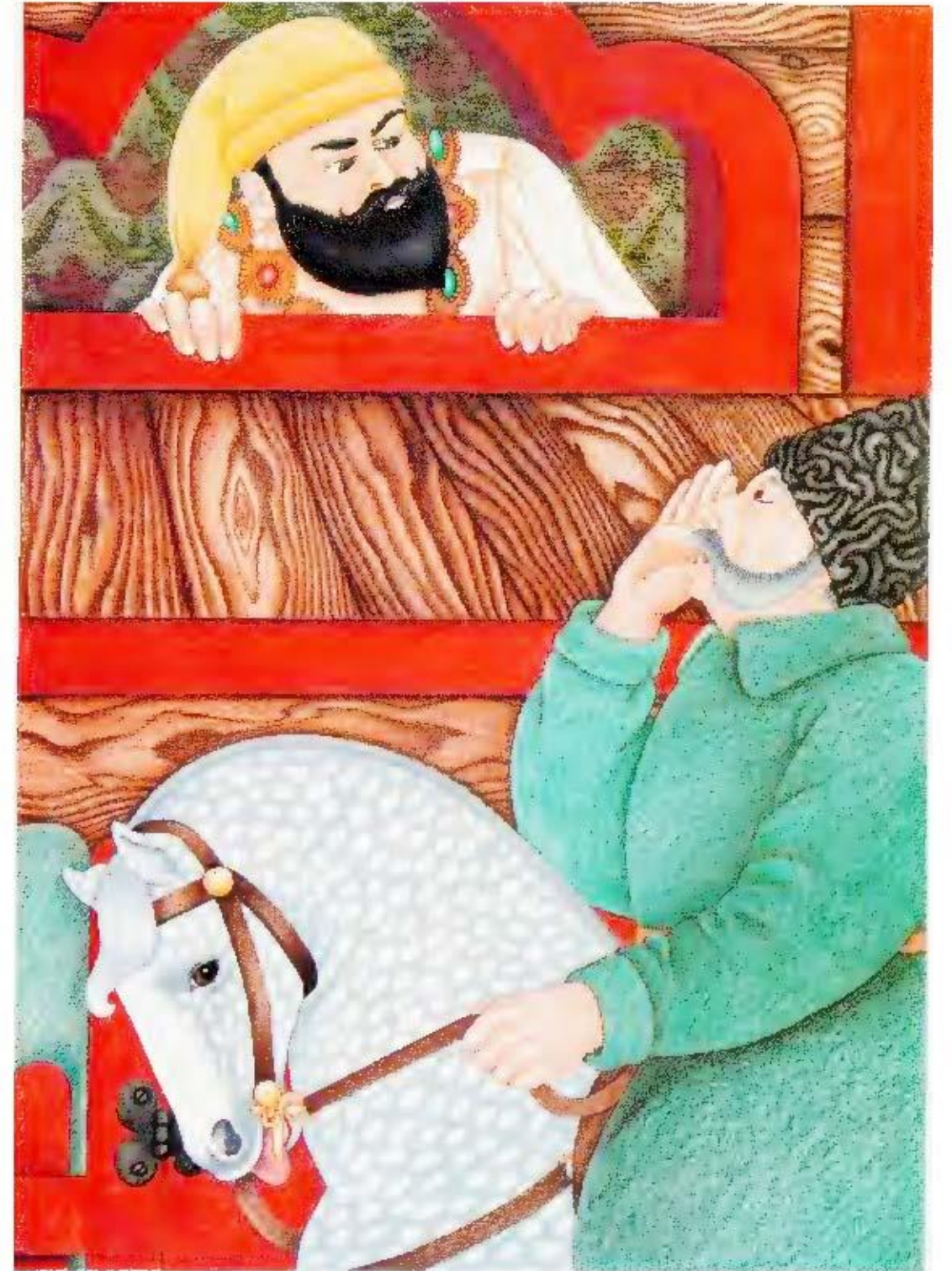
मैंने यह क्या सुना है कि तुम मेरी ज़मीन पर ख़ज़ाना खोद रहे हो?” वह ज़ोरों से चिल्लाया।

"जी सर, यह बिल्कुल सच है," इवान ने कहा। "मेरी पत्नी आपको इसके बारे में सब बता देगी।"

कैटरीना ने उत्सुकता से पूरी कहानी उगल दी। उसने ज़मीदार को सोने के सिक्के, जलीय खरगोश, थलीय मछली और पैनकेक की बौछार के बारे में बताया।

और हमें आपके लिए भी बहुत दुख हुआ, साहब, जब हमने आपको शैतान द्वारा पीड़ा देते हुए चिल्लाते हुए सुना।”

जैसे ही उसने कैटरीना की हास्यास्पद कहानी सुनी, ज़मीदार का चेहरा गुस्से से और भी लाल हो गया।

“तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई इस तरह की बकवास में मेरा समय बर्बाद करने की?'' वह चिल्लाया। "तुम दोनों मेरी नज़रों से ओझल हो जाओ, और कभी वापस मत आना!"

तो इस तरह इवान और कैटरीना अपना सोना सुरक्षित रखने और अपने जीवन के बाकी दिनों को आराम से काटने में सफ़ल हुए।

लेकिन जहाँ तक गप्पी पत्नी कैटरीना का सवाल है, इसके बाद किसी ने भी उसकी कहानियों पर फिर कभी विश्वास नहीं किया।